Q:- बंगाल विभाजन क्या था? लॉर्ड कर्जन का इस विभाजन को लेकर क्या उद्देश्य थे? यह क्यों रद्द हुआ?

Ans:- बंगाल विभाजन 1905 में किया गया अंग्रेजों द्वारा भारतीय हिन्दुओं और मुसलमानों की एकता को तोड़ने का एक कदम था। यह विभाजन लॉर्ड कर्जन के समय किया गया था। लॉर्ड कर्जन भारत के वायसराय थे एवं उन्होंने बंगाल को 2 भागों में बाँटने का निर्णय लिया जिसमें पूर्वी बंगाल एवं पश्चिमी बंगाल मूलतः आते हैं। पूर्वी बंगाल जो आज का बांग्लादेश है मुख्यतः मुस्लिम बहुल इलाका था, पश्चिमी बंगाल हिन्दू बाहुल्य था। इस समय बंगाल की मुख्यतः मारवाड़ी बंगाली, भोजपुरी एवं उड़िया बोलती थी तथा कुल जनसंख्या 8.3 करोड़ के करीब थी परन्तु लॉर्ड कर्जन ने इसे विभाजित कर भारत में बढ़ रहे राष्ट्रवाद को तोड़ने का कार्य किया।

BHOPAL
Established since 1990

लॉर्ड कर्जन के उद्देश्य

लॉर्ड कर्जन ने बंगाल विभाजन का मुख्यतः कारण यह तो बताया कि—

"बंगाल एक बड़ा क्षेत्रफल एवं जनसंख्या वाला प्रान्त है एवं इसकी शासन व्यवस्था स्थापित करने में कठिनाई हो रही है।" इस कारण बंगाल को पश्चिमी बंगाल एवं पूर्वी बंगाल में विभक्त कर प्रशासन सुधारना लक्ष्य बताया गया परन्तु असल कारण बंगाल विभाजन का इसके इतर भी था जो था कि-

बंगाल में हिन्दू और मुस्लिम मिलकर राष्ट्रवाद को काफी [illegible] जिससे अंग्रेजों को काफी दिक्कतें [illegible] रही थी। इसी कारण बंगाल को हिन्दू और मुस्लिम इलाकों में तोड़कर इनके बीच की एकता को तोड़ा जा सकता था।

BHOPAL
Established since 1990

रद्द करने का कारण

जब बंगाल विभाजन का निर्णय हुआ तब भारत में काफी आक्रोश उत्पन्न हो गया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गरमपंथी दलों का काफी जोर चलने लगा था जिससे कांग्रेस काफी उग्र हो गई एवं 1905 में स्वदेशी आंदोलन शुरू कर दिया। इसके तहत विदेशी सामानों, कपड़ों एवं चीजों को त्यागकर देशी वस्तुओं का उपयोग ज्यादा होने लगा। इससे अंग्रेजी

सामानों की बिक्री काफी कम हो गई। अंग्रेजी सामानों को जलाया गया तथा देशी सामानों का प्रचार किया गया। इस तरह अंग्रेजों की अर्थव्यवस्था काफी खराब हो गई। इस दौरान कहीं-कहीं उग्रवादी घटनाएँ भी हुईं। जिससे अंग्रेज काफी डर गए तथा अंततः उन्हें बंगाल विभाजन रद्द करना पड़ा।

विभाजन का विष्कर्ष

यद्यपि बंगाल विभाजन भारत में राष्ट्रवाद को कम करने के उद्देश्य से किया गया था तथापि यह विभाजन भारत में राष्ट्रवाद को और बढ़ावा दिया। अंततः अंग्रेजों ने इसे रद्द किया एवं राजधानी को बंगाल से दिल्ली स्थानांतरित किया।

UNIQUE STUDY CIRCLE
BHOPAL
Established since 1998